भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 3539

दिनांक 03.04.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए

सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता हेतु जन जागरुकता

3539. श्री डी॰ कुपेन्द्र रेड्डीः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता संबंधी योजनाओं के संबंध में जन जागरुकता लाने के लिए शुरू किए गए अभियानों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का लोगों पर अपने घरों में शौचालय बनाने एवं उसका उपयोग करने पर बल देने हेतु प्रचार संबंधी एक पहल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत, कुल संसाधनों के 5 प्रतिशत तक का व्यय, राज्य एवं जिला स्तर के लिए सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण (आईईसी) पर किया जा सकता है। संसाधनों के 3 प्रतिशत तक का उपयोग केंद्रीय स्तर पर इसी प्रयोजन के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, स्वच्छता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए और शौचालयों सहित स्वच्छता सुविधाओं के लिए मांग सृजित करने हेतु सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण (आईईसी) कार्यकलापों के लिए इस मंत्रालय द्वारा एक सैनिटेशन एंड हाइजिन एडवोकेसी एंड कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजी फ्रेमवर्क अपनाया गया है। राज्य, इस स्ट्रेटजी फ्रेमवर्क के आधार पर राज्य एवं जिला स्तरीय आईईसी योजनाएं तैयार एवं कार्यान्वित कर रहे हैं। दृश्य-श्रव्य (टीवी) और श्रव्य (रेडियो) का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर विशाल मीडिया अभियान आरंभ किया गया है। राज्य, पारस्परिक संप्रेषण (आईपीसी) सहित आईईसी अभियान भी शुरू कर रहे हैं। इसके साथ ही नियमित अंतरालों पर स्वच्छता अभियान भी चलाए जाते हैं। राज्यों के लिए उत्कृष्ट स्वच्छता रीतियों को साझा करने और अद्यतन करने हेतु स्वच्छ संग्रह नामक एक ज्ञान पोर्टल की शुरूआत की गई हैं।

(ख) स्वच्छ भारत मिशन का फोकस (ग्रामीण), सुरक्षित स्वच्छता अपनाने और शौचालयों का प्रयोग करने में लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाने पर है। यह कार्यक्रम लोगों को शिक्षित करने के लिए सामुदायिक भागीदारी पर बल देता है। बहुत से राज्य सामुदायिक दृष्टिकोण पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं जहां लोगों को सीधे तौर पर प्रेरित किया जाता है और कुछ उत्प्रेरक उपकरणों का उपयोग करके उन्हें स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक आईईसी उपकरणों का भी लोगों को शिक्षित करने हेतु उपयोग किया जाता है। भारत सरकार और सभी राज्यों के अधिकारियों को शामिल करके स्वच्छ भारत व्हट्सऐप ग्रुप बनाया गया है। इसी प्रकार से हर एक राज्य के लिए ग्रुप बनाए गए हैं। एसबीएम (जी) के लिए एक फेसबुक पेज भी बनाया गया है। प्रसिद्ध व्यक्तियों को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में शामिल किया गया है।